Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Foundation Day Celebration

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 26-02-2023**

केवि ने पूरे किए स्थापना के चौदह वर्ष

विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

- विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रस्तुत की भारत की श्रेष्ठ सांस्कृतिक झलक

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरू हुई इस यात्रा के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस व दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एचटी मीडिया में चीफ प्रोडेक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर युधवीर मोर उपस्थित रहे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्य अतिथि श्री युधवीर मोर ने विश्वविद्यालय की प्रगति व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भारत की सांस्कृतिक झलक पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आज प्रगति के पथ पर दौड़ता हुआ नजर आ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सभी के लिए यह एक अवसर है कि वे एक दूसरे की सांस्कृतिक विरासत को जाने समझे और सहर्ष स्वीकार करें। उन्होंने इस मौके पर महेंद्रगढ़ जिले का उल्लेख करते हुए कहा कि यह जिला सदैव ही प्रदेश के स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाता रहा है। बाबा रामदेव और सतीश कौशिक इसी जिले की देन हैं। ऐसे में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देखकर लगता है कि यह विश्वविद्यालय और इसके विद्यार्थी न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश-दुनिया के स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को विश्वविद्यालय की स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन यकीनन हमारी सफलता का प्रदर्शक है। यह अवसर है साल भर में अर्जित उपलब्धियों को देखकर भविष्य की दिशा तय करने का। कुलपति ने इस मौके पर विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के अनुरूप निरंतर बढ़ रहे छात्रों की संख्या का उल्लेख करते हुए कहा कि हम 2009 में स्थापित विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों के स्तर पर विद्यार्थियों के पंजीकरण में सबसे अव्वल हैं। नई शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय में एकेडमिक क्रेडिट बैंक की व्यवस्था लागू है। कुलपति ने इस अवसर पर संसाधनों के विकास के मोर्चे पर भी विश्वविद्यालय प्रगति कर रहा है। नए छात्रावासों व स्टॉफ क्वार्टस की सुविधा उपलब्ध करवाने के बाद हम नए पुस्तकालय व ऑडिटोरियम के निर्माण की ओर अग्रसर है।

हकेवि के स्थापना दिवस के अवसर पर सहभागियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हकेवि के स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री युधवीर मोर सहभागियों को संबोधित करते हुए।

हकेवि के स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। आज समाज

विश्वविद्यालय की प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में स्पंदन को एक महत्त्वपूर्ण आभास बताते हुए कहा कि यह हम सभी में नई चेतना के विकास में मददगार रहता है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जिस तरह से प्रगति के पथ पर अग्रसर है वह सर्वविदित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई-नई उपलब्धियों को प्राप्त कर रहा है। यकीनन अब हम अपने स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण कर चुके हैं और मानव जीवन के हिसाब से यह किशोर अवस्था का परिचायक है। आज विश्वविद्यालय को देखकर कुछ ऐसा ही लगता है कि जैसे कि एक किशोर नई बुलंदियों को पाने के लिए ऊर्जा से लबरेज होकर प्रयासरत है। समकुलपति ने सभी सहभागियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय की स्थापना और इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। विशेषकर उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के कार्यकाल में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हम अब विश्व पटल पर अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं। जिसके लिए सभी सहभागी पूर्ण ऊर्जा के साथ प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हकेवि के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, मेहंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

हकेवि के मंच पर दिखी उड़ीसा से उत्तराखंड तक की सांस्कृतिक झलक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मंच पर शनिवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय की स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि एचटी मीडिया में चीफ प्रोडेक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर युधवीर मोर व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सहित आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 12 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेवि के मंच पर उतर आया हो। आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरूआत संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से लबरेज ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात उड़ीसा की जगन्नाथ यात्रा पर केंद्रित नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोहा।

वार्षिकोत्सव स्पंदन 2023 में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। आज समाज

आयोजन के उद्घाटन सत्र में हरियाणा की लोक संस्कृति के साथ संगीत की प्रस्तुति देकर पोषण जीवविज्ञान विभाग के छात्र मंजीत तंवर ने समूचे पंडाल में उपस्थित लोगों को अपने साथ गाने पर विवश कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच आयोजन में नागेंद्र यादव के समूह ने बॉलीवुड और विद्यार्थियों के एक अन्य समूह ने टॉलीवुड का जबरदस्त तड़का लगाया। आयोजन में असम के बिहू, तेलंगना व बिहार के लोक नृत्य की प्रस्तुति विद्यार्थियों ने दी। इसी क्रम में महाराष्ट्र के लावणी व पंजाब के भांगड़ा डांस ने बले-बले की। आयोजन में केरल, आंध्र प्रदेश व उत्तराखंड के लोकनृत्य ने भी आयोजन में सम्मिलित लोगों को आकर्षित किया। आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने बताया कि स्पंदन 2023 के पहले दिन उद्घाटन सत्र में राज्य केंद्रित लोक नृत्यों की प्रस्तुति के बाद डांस की श्रेणी में लोक, ट्राइबल व क्लासिकल डांस; संगीत की श्रेणी में लाइट वैकल इंडियन व वेस्टर्न, भारतीय व पाश्चात्य समूह गायन, फॉक आरकेस्ट्रा ; फाइन आर्टस में पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी, कोलाज, पोस्टर मेकिंग व फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. रेनु यादव, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतकर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-02-2023**

केंद्रीय विश्वविद्यालय ने पूरे किए स्थापना के 14 वर्ष

दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ, कार्यक्रम में देशभर की संस्कृति की दिखाई झलक, कुलपति ने गिनाईं उपलब्धियां

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस व दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए देश की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। वहीं मुख्यतिथि युधवीर मोर ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आज प्रगति के पथ पर दौड़ता हुआ नजर आ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सभी के लिए यह एक अवसर है कि वे एक दूसरे की सांस्कृतिक विरासत को जाने समझे और सहर्ष स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव और सतीश कौशिक इसी जिले की देन हैं। ऐसे में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देखकर लगता है कि यह विश्वविद्यालय और इसके विद्यार्थी न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश-दुनिया के स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे।

यह आयोजन यकीनन हमारी सफलता का प्रदर्शक : कुलपति :कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन यकीनन हमारी सफलता का प्रदर्शक है। विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के अनुरूप निरंतर बढ़ रहे छात्रों की संख्या का उल्लेख करते हुए कहा कि हम 2009 में स्थापित विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों के स्तर पर विद्यार्थियों के पंजीकरण में सबसे अव्वल हैं। नई शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय में एकेडमिक क्रेडिट बैंक की व्यवस्था लागू है। साथ ही साथ हमारे विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री व एग्जिट जैसे विकल्प भी उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने बीते वर्ष डेटा साइंस, जियो इंफोरमेटिक्स और हिंदी अनुवाद अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरुआत की।

योग स्पर्धा में हिस्सा लेते विद्यार्थी। संवाद

मुख्य अतिथि का स्वागत करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

हकेंवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेते विद्यार्थी। संवाद

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की संस्कृति की झलक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मंच पर देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय की स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों ने 12 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेंवि के मंच पर उतर आया हो। आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से लबरेज ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात उड़ीसा की जगन्नाथ यात्रा पर केंद्रित नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोहा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच आयोजन में नागेंद्र यादव के समूह ने बॉलीवुड और विद्यार्थियों के एक अन्य समूह ने टॉलीवुड का तड़का लगाया। असम के बिहु, तेलंगाना व बिहार के लोक नृत्य की प्रस्तुति विद्यार्थियों ने दी। इसी क्रम में महाराष्ट्र के लावणी व पंजाब के भांगड़ा डांस ने बल्ले-बल्ले की। आयोजन में केरल, आंध्र प्रदेश व उत्तराखंड के लोकनृत्य ने भी आयोजन में सम्मिलित लोगों को आकर्षित किया। आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने बताया कि स्पंदन 2023 के पहले दिन उद्घाटन सत्र में राज्य केंद्रित लोक नृत्यों की प्रस्तुति के बाद डांस की श्रेणी में लोक, ट्राइबल व क्लासिकल डांस; संगीत की श्रेणी में लाइट वोकल इंडियन व वेस्टर्न, भारतीय व पाश्चात्य समूह गायन, फॉक आरकेस्ट्रा; फाइन आर्ट्स में पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी, कोलाज, पोस्टर मेकिंग व फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संवाद

विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हकेंवि के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. एपी शर्मा, डॉ. रेनु यादव, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतकर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते विद्यार्थी। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 26-02-2023**

हकेंवि के 14 वर्ष • वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया स्थापना दिवस

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक नृत्य पेश कर विविधता में एकता का दिया परिचय

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरू हुई इस यात्रा के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस व दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। मुख्यातिथि के रूप में एचटी मीडिया में चीफ प्रोडेक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर युधवीर मोर उपस्थित रहे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्य अतिथि युधवीर मोर ने विश्वविद्यालय की प्रगति व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भारत की सांस्कृतिक झलक पर हर्ष व्यक्त किया।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को विश्वविद्यालय की स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी।

विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में स्पंदन को एक महत्त्वपूर्ण आभास बताया। विवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण देते हुए विवि की स्थापना और इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विवि सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हकेवि के साथ-साथ अन्य विवि की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. एपी शर्मा, डॉ. रेनु यादव, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतकर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

उड़ीसा की जगन्नाथ यात्रा पर केंद्रित नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोहा

हकेवि के मंच पर शनिवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय की स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि एचटी मीडिया में चीफ प्रोडेक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर युधवीर मोर व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सहित आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 12 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेवि के मंच पर उतर आया हो। संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया, इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से लबरेज ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात उड़ीसा की जगन्नाथ यात्रा पर केंद्रित नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोहा। आयोजन के उद्घाटन सत्र में हरियाणा की लोक संस्कृति के साथ संगीत की प्रस्तुति देकर पोषण जीवविज्ञान विभाग के छात्र मंजीत तंवर ने समूचे पंडाल में उपस्थित लोगों को अपने साथ गाने पर विवश कर दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 26-02-2023**

हकेवि में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति से मन मोह लिया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस व दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एचटी मीडिया में चीफ प्रोडेक्ट एंड टेक्नोलाजी आफिसर युधवीर मोर उपस्थित रहे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे। आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 12 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेंवि के मंच पर उतर आया हो।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

वार्षिकोत्सव स्पंदन 2023 में प्रस्तुति देते विद्यार्थी ● सौ. हकेवि

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्य अतिथि युधवीर मोर ने विश्वविद्यालय की प्रगति व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भारत की सांस्कृतिक झलक पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आज प्रगति के पथ पर दौड़ता हुआ नजर आ रहा है।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह हम सभी में नई चेतना के विकास में मददगार रहता है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जिस तरह से प्रगति के पथ पर अग्रसर है वह सर्वविदित है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील ने कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय की स्थापना और इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव की जानकारी दी। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं कराईं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 26-02-2023**

विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों के माध्यम से दिखाई भारत की सांस्कृतिक झलक

महेंद्रगढ़। मुख्य अतिथि का स्वागत करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि ने अपनी स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरू हुई इस यात्रा के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर विवि में स्थापना दिवस व दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में एचटी मीडिया में चीफ प्रोडेक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर युधवीर मोर उपस्थित रहे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

इस अवसर पर विवि की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. रेनु यादव, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा सहित विवि के शिक्षक आदि मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India **Date: 26-02-2023**

हकेवि ने पूरे किए स्थापना के चौदह वर्ष

विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस व दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एचटी मीडिया में चीफ प्रोडेक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर युधवीर मोर उपस्थित रहे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्य अतिथि श्री युधवीर मोर ने विश्वविद्यालय की प्रगति व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भारत की सांस्कृतिक झलक पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आज प्रगति के पथ पर दौड़ता हुआ नजर आ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सभी के लिए यह एक अवसर है कि वे एक दूसरे की सांस्कृतिक विरासत को जाने समझे और सहर्ष स्वीकार करें। उन्होंने इस मौके पर महेंद्रगढ़ जिले का उल्लेख करते हुए कहा कि यह जिला सदैव ही प्रदेश के स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाता रहा है। बाबा रामदेव और सतीश कौशिक इसी जिले की देन हैं। ऐसे में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देखकर लगता है कि यह विश्वविद्यालय और इसके विद्यार्थी न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश-दुनिया के स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को विश्वविद्यालय की स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन यकीनन हमारी सफलता का प्रदर्शक है। यह अवसर है साल भर में अर्जित उपलबधियों

को देखकर भविष्य की दिशा तय करने का। कुलपति ने इस मौके पर विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के अनुरूप निरंतर बढ़ रहे छात्रों की संख्या का उल्लेख करते हुए कहा कि हम 2009 में स्थापित विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों के स्तर पर विद्यार्थियों के पंजीकरण में सबसे अव्वल हैं।

नई शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय में एकेडमिक क्रेडिट बैंक की व्यवस्था लागू है। साथ ही साथ हमारे विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री व एगजिट जैसे विकल्प भी उपलब्ध कराएं जा रहे हैं कुलपति ने इस अवसर पर बताया कि विश्वविद्यालय ने बीत साल डेटा साइंस, जियो इंफोरमेटिक्स और हिंदी अनुवाद अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरुआत की। कुलपति ने कहा कि हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के बाद रोजगार सम्पन्न, कुशल उद्यमी व रोजगार सृजन करने के योग्य बनाना है और इसी लक्ष्य की प्राप्ति से हम आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। कुलपति ने इस अवसर पर संसाधानों के विकास के मोर्चे पर भी विश्वविद्यालय प्रगति कर रहा है। नए छात्रावासों व स्टॉफ क्वार्टस की सुविधा उपलब्ध करवाने के बाद हम नए पुस्तकालय व ऑडिटोरियम के निर्माण की ओर अग्रसर है।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में स्पंदन को एक महत्त्वपूर्ण आभास बताते हुए कहा कि यह हम सभी में नई चेतना के विकास में मददगार रहता है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जिस तरह से प्रगति के पथ पर अग्रसर है वह सर्वविदित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई-नई उपलबधियों को प्राप्त कर रहा है। यकीनन अब हम अपने स्थापना के चौदह वर्ष पूर्ण कर चुके हैं और मानव जीवन के हिसाब से यह किशोर अवस्था का परिचायक है।

आज विश्वविद्यालय को देखकर कुछ ऐसा ही लगता है कि जैसे कि एक किशोर नई बुलंदियों को पाने के लिए ऊर्जा से लबरेज होकर प्रयासरत है। समकुलपति ने सभी सहभागियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय की स्थापना और इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। विशेषकर उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के कार्यकाल में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित उपलबधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हम अब विश्व पटल पर अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं। जिसके लिए सभी सहभागी पूर्ण ऊर्जा के साथ प्रयासरत हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हकेवि के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, सकिट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. रेनु यादव, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतकर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 26-02-2023**

हकेंवि ने तय किया 14 वर्ष का सफर

आज प्रगति के पथ पर दौड़ता नजर आ रहा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय: युधवीर मोर

वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया स्थापना दिवस

महेंद्रगढ़, 25 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के 14 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरू हुई इस यात्रा के 14 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस व 2 दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में एच.टी. मीडिया में चीफ प्रोडक्ट एंड टैक्नोलॉजी ऑफिसर युधवीर मोर उपस्थित रहे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की।

आयोजन में मुख्यातिथि युधवीर मोर ने विश्वविद्यालय की प्रगति व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भारत की सांस्कृतिक झलक पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आज प्रगति के पथ पर दौड़ता हुआ नजर आ रहा है।

उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सभी के लिए यह एक अवसर है कि वे एक-दूसरे की सांस्कृतिक विरासत को जानें, समझें और सहर्ष स्वीकार करें।

हकेंवि के स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यातिथि का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

उन्होंने इस मौके पर महेंद्रगढ़ जिले का उल्लेख करते हुए कहा कि यह जिला सदैव ही प्रदेश के स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाता रहा है। बाबा रामदेव और सतीश कौशिक इसी जिले की देन हैं।

ऐसे में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देखकर लगता है कि यह विश्वविद्यालय और इसके विद्यार्थी न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश-दुनिया के स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को विश्वविद्यालय की स्थापना के 14 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन यकीनन हमारी सफलता का प्रदर्शक है। यह अवसर है साल भर में अर्जित उपलब्धियों को देखकर भविष्य की दिशा तय करने का।

विश्वविद्यालय में एकैडमिक क्रैडिट बैंक की व्यवस्था लागू: कुलपति

कुलपति ने इस मौके पर विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के अनुरूप निरंतर बढ़ रहे छात्रों की संख्या का उल्लेख करते हुए कहा कि हम 2009 में स्थापित विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों के स्तर पर विद्यार्थियों के पंजीकरण में सबसे अव्वल हैं।

स्पंदन हम सभी में नई चेतना के विकास में मददगार : प्रो. सुषमा

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में स्पंदन को एक महत्वपूर्ण आभास बताते हुए कहा कि यह हम सभी में नई चेतना के विकास में मददगार रहता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जिस तरह से प्रगति के पथ पर अग्रसर है वह सर्वविदित है। आज विश्वविद्यालय को देखकर कुछ ऐसा ही लगता है कि जैसे कि एक किशोर नई बुलंदियों को पाने के लिए ऊर्जा से लबरेज होकर प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय की स्थापना और इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हकेंवि के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

दो दिनों के इस आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई जा रही हैं। कार्यक्रम के अंत में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. रेनु यादव, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतकर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

नई शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय में एकैडमिक क्रैडिट बैंक की व्यवस्था लागू है। साथ ही साथ हमारे विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री व एग्जिट जैसे विकल्प भी उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बीते साल डाटा साइंस, जियो इंफोर्मैटिक्स और हिंदी अनुवाद अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरूआत की।

कुलपति ने कहा कि हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के बाद रोजगार सम्पन्न, कुशल उद्यमी व रोजगार सृजन करने के योग्य बनाना है और इसी लक्ष्य की प्राप्ति से हम आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं।

कुलपति ने कहा कि संसाधानों के विकास के मोर्चे पर भी विश्वविद्यालय प्रगति कर रहा है। नए छात्रावासों व स्टॉफ क्वार्टर्स की सुविधा उपलब्ध करवाने के बाद हम नए पुस्तकालय व ऑडिटोरियम के निर्माण की ओर अग्रसर हैं।